

— समुद्र *ein lautes Geschrei* (acc.) *erheben*: कर्षणातिसमुत्क्रुष्टो निस्व-
नो दिवमाविशत् । बालस्त्रीवृद्धसंघानाम् R. 6, 111, 29.

— उप s. उपक्रोश *igg.*

— परि *hierhin und dorthin schreien, wehklagen*: भीममार्तस्वरं कृत्वा
हा हेति परिचुक्रुः MBh. 1, 4631. 4, 1155. हा भर्तेति परिक्रुष्य R. 2, 65,
22. धर्म्येण हि परिक्रुष्टं लक्ष्मणेति 3, 66, 7.

— प्र 1) *ein Geschrei erheben, aufschreien*: प्राक्रोशन्मैरवं शिवाः MBh.
2, 2695. (स्त्रियः) प्राक्रोशन्मैरवम् 2690. 3, 10476. 4, 803. N. 12, 86. 23, 20.
24, 38. SUND. 1, 15. R. 2, 38, 1. 63, 20. 3, 53, 34. 67, 4. प्रचुक्रुर्महत्मानो
हृष्टव्याः 4, 25, 35. मारीचन — प्रकुटम् 3, 64, 5. — 2) *ausstossen* (ein
Geschrei): प्रचुक्रुर्महत्मानाद् R. 5, 92, 5. — 3) *Jmd anrufen*: प्राक्रोशतु चैः
संनस्ता महारजति नैषधम् MBh. 3, 2363. धैर्यं प्रचुक्रोश पुराहितं सा
DRAUP. 3, 23. 6, 29.

— वि 1) *aufschreien*: त्राहीति विचुक्रुः MBh. 1, 7633. 4957. 3, 2515.
हृष्टाः सर्वे दृष्ट्वा विचुक्रुः BENF. Chr. 31, 17. R. 2, 41, 7. 57, 11. 3, 53, 27.
विक्रोशयति BHATT. 16, 32. व्यकुञ्चत् 13, 47. विक्रोशत्यः M. 7, 143. MBh.
1, 7939. 13, 4852. DRAUP. 6, 26. R. 2, 71, 23. 3, 44, 29. 4, 9, 7. 21. SUGR. 1,
1, 10. विक्रोशमान MBh. 1, 6902. विक्रुष्य R. 4, 13, 29. 19, 3. वीरैर्हा हे-
ति च विचुक्रुः (pass. impers.) BHATT. 14, 42. विक्रुष्ट n. *Geschrei, Hilferuf*:
विक्रुष्टं संप्रहरताम् R. 3, 30, 29. 39, 6. 64, 7. लोकविक्रुष्ट M. 4, 176.
विक्रुष्टे *bei einem Hilferuf* Jāg. 2, 234. 300. विक्रुष्ट n. = रूप, निष्ठुर,
ब्रूत *das Anschmähen, Anfahren* H. 269. — 2) *ausstossen* (ein Geschrei):
विक्रोशत्यो महानाद् R. 4, 19, 5. हा तात हा सुतेत्येवं तदा वाचः मुदा-
हूणाः । विक्रोशमानः MBh. 3, 13096. — 3) *Jmd (acc.) anrufen*: कृञ् च
निर्जुं च हरिं नरं च त्राणाप्य विक्रोशति MBh. 2, 2229. विक्रोशमानस्त्रा-
हीति विश्रामित्रम् R. 1, 60, 18. विक्रुष्य पुत्रम् Buig. P. 6, 3, 24. — 4) *er-
schallen*: रायवस्तुतिसंयुक्ता गगने च विचुक्रुः । साधु साधिति हृष्टानो
देवानां शोभना गिरः ॥ R. 6, 92, 69.

— सम् 1) *ein allgemeines Geschrei erheben*: एवमुक्ते तु भीष्मेण ततः
संचुक्रुर्मुखाः MBh. 2, 1553. स्तावरीरिव संक्रोशमानाः RV. 4, 18, 6. — 2)
zürnend anfahren: संक्रोशतमिनान्वात्रापृथिवी AV. 8, 8, 21.

— अभिसम् *zuschreien, zurufen*: धर्म्येवैवाभिसंक्रुष्य व्याकर्तुं नाशक-
ततः (वाष्पापिकृतकाण्डः) R. 2, 100, 36.

क्रुश्चन् (von क्रुष् m. *Schakal* Up. 4, 115. — Vgl. क्रोष्टर.

क्रूड्, क्रूडयति *viell. dick machen* (vgl. कूड्, कुट्): तस्य रेतः परापतत-
दग्निपानिनापामूह्यसा तदक्रूडयतत्क्रूडमानं गवि न्यदधात् तदिदं पयः
तस्मादत्र ध्रुवपात्रः (sic) प्रतिचुक्रूडयति (sic) तत्पयसाग्निहोत्रं बुद्धति
Kāth. 6, 3.

क्रूर^३ Up. 2, 22. 1) adj. f. *घ्रा a) wound, saucius*: यत्र वा घस्यै खनतः
क्रूरीकुर्वति ÇAT. Br. 1, 2, 4, 16. 3, 3, 1, 7. 6, 1, 19. क्रूरी वा एतत्कुर्वति
यत्संज्ञयति 8, 2, 30. 2, 10. 13, 3, 6, 6. — b) *blutig, grausam; roh, hart*;
grünlich, furchtbar, schrecklich: = नृशंस, घातुक, पाप, निर्दय, भीषण,
घोर, लुद्र AK. 3, 1, 47. 3, 4, 25, 193. 179. TRIK. 3, 3, 335. H. 376. an. 2, 405.
MED. r. 19. रुद्रो वै क्रूरो देवानाम् TS. 6, 1, 2, 7. 2, 2, 2, 5, 2. von Menschen,
Dämonen und Thieren M. 4, 212. 9, 225. Hip. 1, 17. 2, 2. R. 2, 74, 10. PĀN-
KĀT. 154, 4. III, 23. ÇĀK. 136. Buig. P. 9, 14, 37. Dhūrtas. 77, 4. कृतात
MEGH. 103. क्रूरचेष्टित PĀNĀT. I, 73. क्रूराचार M. 4, 246. क्रूराचारविका-
रवत् 10, 9. क्रूरमानस SUND. 1, 3. ० बुद्धि Hip. 4, 31. ० निश्चय RAGH. 12, 4.

वचः क्रूरम् DAÇ. 1, 35. 2, 19. स्त्रीषो मुखोद्यमक्रूरम् (नामधेयं स्यात्) M. 2,
33. घोरैः क्रूरैः प्रैपैः AV. 16, 7, 2. क्रोश R. 1, 64, 3. क्रूरस्वर (गोमायु) R. 3,
64, 2. क्रूरमाप्रियदर्शनम् (वक्रम्) PĀNĀT. III, 73. त्वं क्रूरदृष्ट्या विलोकायि-
ष्यति 64, 16. क्रूर *furchtbar oder ungünstig* (Gegens. सौम्य und अक्रूर)
heisst das 1ste, 3te, 5te, 7te, 9te und 11te Zodiakalbild Dip. im ÇKDr.
Ind. St. 2, 257. 278. क्रूरम् *auf eine schreckliche Weise*: मृगा दिनाः क्रूर-
मिमे वदति MBh. 3, 15669. — c) *hart* AK. 3, 2, 25. 3, 4, 25, 193. TRIK. H.
1386. H. an. MED. तत्र मृडः क्रूरो मध्य इति त्रिविधः कोष्ठो भवति (vgl.
क्रूरकोष्ठ) SUGR. 2, 187, 1. घनवर्तधनुर्गोस्पात्स्नक्रूरयुव (मात्र) ÇĀK. 37.
— d) *stark*, von einem Bogen (Gegens. मन्द) NĀRADA in Z. d. d. m. G.
9, 672. — e) *heiss* (उल्ल) H. an. — 2) m. n. *gekochter Reis* TRIK. 2, 9, 15.
H. 395. — 3) m. a) *Falke*. — b) *Reiher*. — c) N. zweier Pflanzen, *rother
Oleander* (रक्तकरवीर) und = भूताङ्कुश RĪGĀN. im ÇKDr. — 4) f. *घ्रा
N. einer Pflanze* (रक्तपुनर्वा) RĪGĀN. im ÇKDr. — 3) n. (vgl. 2) SIDDH.
K. 249, b, 1. a) *wunde Stelle, Wunde*: क्रूरमिव वा घस्या (पृथिव्याः) दृ-
तत्क्रोराति यत्खनत्यप उर्यमृत्ययो वै शाताः शाताभिरैवास्मै श्रुचं शमय-
ति TS. 5, 1, 5, 1. 2, 6, 4, 3. 3, 4, 5, 5. 6, 3, 9, 4. यद्वै पृथ्व्यं क्रूरं यद्विलिष्टम्
1, 7, 3, 1. 6, 2, 2, 5. यत्तै क्रूरं यदास्वितं तत् घ्रा पृथ्व्यात् VS. 6, 13. पुरा क्रू-
रस्य विसृजः 1, 28. ÇAT. Br. 1, 2, 5, 19. 5, 4, 3, 12. नृहि तै घ्ये तन्त्र्यः क्रूर-
मानंश्च मर्त्यः AV. 6, 49, 1. — b) *Blutvergiessen, Grausamkeit, Gräu-
el, Gräueltat*: क्रूरमस्या आशंसनम् AV. 5, 19, 5. यस्य क्रूरमसेवत दुष्कृतः
19, 56, 5. neben घोर 12, 5, 14. 18, 4, 83. 19, 9, 14. क्रूरमिव वा एतत्सोमस्य
राशो ऽत्ते चरति यदस्य घृतेनात्ते चरति घृतेन हि वज्रेणेन्द्रो वृत्रमहन् *sie
machen sich in Soma's Nähe gleichsam mit einer Blutthat zu schaffen,
wenn sie sich dort mit Ghṛta zu schaffen machen, denn mit Ghṛta
als einem Donnerkeil erschlug Indra den Vṛtra* At. Br. 1, 26. मृडक्रूरे
du. M. 1, 29. धातुवचः — क्रूरोपसंक्रितम् Hip. 2, 20. grauenhafte Erschei-
nung: क्रूराणि (Sch. = पिशाचादिदर्शनादीनि) ABH. Br. in Ind. St. 1,
40. — Das Wort steht ohne Zweifel, wie schon LASSEN vermuthet hat,
mit क्रविस् und क्रव्य in Verbindung.

1. क्रूरकर्मन् (क्रूर + कर्मन्) n. 1) *Blutthat, Gräueltat* ÇAT. Br. 5, 4,
3, 12. SUGR. 1, 106, 1. क्रूरकर्मकृत् *ein reissendes Thier* M. 12, 58. — 2)
eine harte, schwere Arbeit ÇĀK. 37, v. 1.

2. क्रूरकर्मन् (wie eben) 1) adj. *Blutthaten —, Gräueltaten verübend*
R. 3, 1, 31. PĀNĀT. I, 74. VER. 26, 13. — 2) m. N. einer Pflanze (कटु-
म्विनी; wohl = कटुमुम्बी, da तुम्बिनी = कटुमुम्बी ist) RĪGĀN. im ÇKDr.
क्रूरकृत् (क्रूर + कृत्) adj. = 2. क्रूरकर्मन् TBr. 1, 4, 6, 5.

क्रूरकोष्ठ (क्रूर + कोष्ठ) adj. *dessen Unterleib hart ist* SUGR. 2, 189, 4,
190, 20.

क्रूरगन्ध (क्रूर + गन्ध) 1) m. *Schwefel*. — 2) f. *घ्रा N. eines Baumes*
(कन्धारी) RĪGĀN. im ÇKDr.

क्रूरता (von क्रूर) f. *Grausamkeit* M. 10, 58.

क्रूरदत्ता (क्रूर + दत्ता) f. ein Bein. der Durgā H. ५. 30 (क्रूर^०).

क्रूरदृष्ट (क्रूर + दृष्ट) 1) adj. *grausamen Blicks, grausam* MED. ५. 33.
— 2) m. ein Bein. des Planeten Saturn MED. des Planeten Mars Ind.
St. 2, 261. Z. f. d. K. d. M. IV, 318.

क्रूरधूर्त (क्रूर + धूर्त) m. *eine Art Stechapfel* (कृत्तधनूराक) RĪGĀN. im
ÇKDr.